श्री सिद्धघाट रेवा दरबार से निकली जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा, पुष्पवर्षा से किया स्वागत

मंडला, देशबन्धु। जगन्नाथ महाप्रभु को स्वस्थ्य होंने के बाद शुक्रवार को श्री सिद्धघाट रेवा दरबार महिष्मति घाट में जगन्नाथ स्वामी की विधि-विधान से पूजन अर्चन की गई। भगवान को काजल लगाने के बाद फलों का भोग लगाया गया। जिसके पश्चात् महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा नगर में निकाली गई। रथयात्रा श्री सिद्धघाट रेवा दरबार से निकाली गई जो नेहरू स्मारक, स्टेट बैंक चैराहा, लालीपुर, बस स्टेण्ड, चिलमन चैक होते हुए पड़ाव पहुंची जहां पर रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया यहां पर विकास लकी ट्रेवर्ल्स के संचालक अनिल जायसवाल एवं विकास जायसवाल व परिजनों के द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी पर पुष्पवर्षा करते हुए महाआरती की।

इस दौरान भगवान जगन्नाथ स्वामी को खिचड़ा का भोग लगाते हुए भंडारा का आयोजन किया। विकास जायसवाल ने बताया कि वे हर वर्ष भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा का स्वागत करते हैं वर्ष 2017 से लगातार स्वागत करते आ रहे हैं। उन्हें विभिन्न प्रकार के भोग लगाते है उनकी महिमा और आर्शीवाद से कभी कोई वंचित नही रहा है। वरिष्ठ समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल ने बताया कि रथ यात्रा का आध्यात्मिक संदेश अत्यंत गहन और प्रेरणादायक है। यह उत्सव दर्शाता है कि ईश्वर की कृपा सभी भक्तों के लिए समान रूप से उपलब्ध है चाहे वे किसी भी वर्ग या धर्म के हों।

रथ यात्रा में भगवान का मंदिर से बाहर आना प्रतीक है कि वे अपने भक्तों के करीब हैं और उनकी भक्ति को स्वीकार करते हैं। रथ का खींचना जीवन की आध्यात्मिक यात्रा को दर्शाता है जो आत्मा को भौतिक बंधनों से मुक्त कर ईश्वर की ओर ले जाती है। लाखों भक्तों का एक साथ रथ खींचना सामूहिक भक्ति, एकता, और सहयोग की शक्ति को प्रकट करता है। यह उत्सव विनम्रता का पाठ पढ़ाता है। वहीं इस दौरान सिद्ध घाट मां रेवा दरबार के संस्थापक रामप्रसाद ठाकुर ने बताया कि इस रथ यात्रा के निकलने के पीछे कई मान्यताएं हैं कहते हैं कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के अवतार के रूप में भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम के साथ अपनी बहन सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए ले जाते हैं ऐसा माना जाता है कि इतिहास में भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर घूमने की इच्छा जाहिर की जिसके बाद बहन की इच्छा पूरा करने के लिए भगवान जगन्नाथ ने 3 रथ बनवाए और सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए रथ यात्रा पर ले गए सबसे आगे वाला रथ भगवान बलराम का बीच वाला रथ बहन सुभद्रा के और सबसे पीछे वाला रथ भगवान जगन्नाथ का होता है इसी मान्यता के साथ एक और कहानी जुड़ी है कहते हैं जब भगवान जगन्नाथ सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए रथ यात्रा पर निकले तो रास्ते में ही उनकी मौसी के घर गुंडिचा भी गए और वहां 7 दिन ठहरे भी जिसके बाद से ही हर साल इस रथ यात्रा को निकालने की परंपरा शुरू हुई। सिद्ध घाट मां रेवा दरबार से जुड़े विंदी शर्मा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ पद्म पुराण के मुताबिक भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने एक बार नगर देखने की इच्छा जताई थी। उस वक्त भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और अपनी लाडली बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाने के लिए निकल पड़ते हैं।

इसका जिक्र ब्रह्म पुराण और नारद पुराण में भी है। मान्यताओं के अनुसार अपने मौसी घर में ठहरने के दौरान भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ खूब पकवान खाते हैं और फिर वे बीमार पड़ जाते हैं इसके बाद उनका इलाज किया जाता है और फिर स्वस्थ होने के बाद अपने भक्तों को दर्शन देते हैं। समाजसेवी संजय चैरसिया ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जगतपति जगदीश्वर महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी बीमार हो गए थे ज्येष्ठ मास की गर्मी में शीतल जल में स्नान करने के कारण प्रभु को जुकाम हो गया था इसलिए उनके उपचार के लिए दलिया, फलों का रस प्रतिदिन उन्हें दिया गया। वरिष्ठ समाजसेवी विंदी शर्मा ने बताया कि सनातन धर्म में रथ यात्रा का खास महत्व है मान्यताओं के मुताबिक, रथयात्रा निकालकर जगन्नाथ महाप्रभु को प्रसिद्ध गुंडिचा माता मंदिर पहुंचाया जाता है यहां भगवान 7 दिनों तक आराम करते हैं इस बीच गुंडिचा माता मंदिर में खास तैयारियां की जाती है इंद्रद्युम्न सरोवर से मंदिर की साफ-सफाई के लिए जल लाया जाता है। इसके पश्चात जगन्नाथ भगवान की जगन्नाथ मंदिर में वापसी के लिए यात्रा शुरु होती है रथ यात्रा की सबसे खास महत्व यह है कि यह पूरे भारतवर्ष में एक महोत्सव की तरह निकाली जाती है। वहीं यात्रा पड़ाव से वापस चिलमन चैक होते हुए उदयचैक, सिटी कोतवाली, स्टेट बैंक चैराहा, नेहरू स्मारक होते हुए वापस सिद्धघाट रेवा दरबार पहुंची जहां यात्रा का समापन किया गया। रथ यात्रा में साहू समाज के महिला पुरूष ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई रथ यात्रा का नगर के अनेक स्थानों में स्वागत हुआ वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, समाजसेवी सुनील मिश्रा ने भी रथ यात्रा में सहभागिता दर्ज कराते हुए पूजन किया। इस दौरान आयोजित भंडारा में भाजपा जिला अध्यक्ष ने प्रसादी वितरण की। कार्यक्रम में किशोर रजक, उमाशंकर गुड्डू सिंधिया, रोहित बघेल, सचिन शर्मा, मूलचंद साहू, डॉ हरिओम नंदा, साहू समाज अध्यक्ष हरि साहू, मुकेश सोनी, सुधीर कांसकार, जनपद अध्यक्ष मंडला संतोष सोनू भलावी, आनंद सोनी, पारस असरानी, अनमोल अग्रवाल, आशीष चैरसिया, विजय अग्रवाल, विनोद पटैल, पूर्णिमा रजक, माया रजक, श्रीमति ज्योति जायसवाल, श्रीमति गीता साहू के साथ सैकड़ो की संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

सार-समाचार

प्रदेश की सरकार सूक्ष्म और लघु उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही है

विश्व एमएसएमई दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

मंडला, देशबन्धु। जिला योजना भवन में 27 जून विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रतलाम में आयोजित राज्य स्तरीय रीजनल इंडस्ट्री स्किल एण्ड एम्पलॉयमेंट कॉन्क्लेव (आरआईएसई) का सीधा प्रसारण देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सूक्ष्म और लघु उद्योगों को प्रोत्साहित करने का लगातार प्रयास कर रही है। उद्योगों को किस प्रकार बढ़ावा मिले ? उद्योगपतियों को निवेश के लिए कैसे प्रोत्साहित किया जाए ? इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार तेजी से कार्य कर रही है। औद्योगिक विकास से प्रदेश की जीडीपी मजबूत होगी और देश प्रगति की ओर अग्रसर होगा। कार्यक्रम के दौरान औद्योगिक क्षेत्र उदयपुर और डोभी के औद्योगिक भूखंड के लीज पत्र चयनित उद्योगपतियों को वितरित किए गए। साथ ही स्वरोजगार योजना के लाभार्थियों को भी स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत मंडला अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट सहित संबंधित उपस्थित थे।

सहायक संचालक जनसंपर्क राहुल वासनिक ने किया पदभार ग्रहण

मंडला, देशबन्धु। जिला जनसंपर्क कार्यालय मंडला में राहुल वासनिक सहायक संचालक ने अपना पदभार शुक्रवार को ग्रहण कर लिया।

विदित है कि वासनिक का स्थानांतरण जिला जनसंपर्क कार्यालय नरसिंहपुर से जिला मंडला किया गया है। सहायक संचालक श्री वासनिक इससे पूर्व संभागीय जनसंपर्क कार्यालय सागर, नरसिंहपुर जिले में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

ग्राम घाघा में खम्भा ठीक कर विद्युत व्यवस्था सुचारू की गई

मंडला, देशबन्धु। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मंडला विकासखण्ड के ग्राम घाघा में विद्युत पोल की समस्या की जानकारी संज्ञान में आने पर विद्युत वितरण कंपनी के संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार कार्य करने के लिए निर्देषित किया था। विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता इमरान खान ने बताया कि घाघा ग्राम के एक किसान के खेत पर लगा विद्युत मेन लाइन का पोल तिरछा हो गया था। जानकारी मिलते ही

तत्काल विद्युत विभाग की टीम मौके पर रवाना की गई। संबंधित पोल को व्यवस्थित कर दिया गया है। विद्युत व्यवस्था पुनः सुचारू कर दी गई है। कृषक को अब कृषि कार्य करने में कोई समस्या नहीं आएगी।

रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला में प्रवेश प्रक्रिया का सीएलसी राउंड प्रारंभ

द्वितीय चरण की प्रवेश शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून

मंडला, देशबन्धु। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मण्डला में सत्र 2025-26 के लिए प्रवेष प्रक्रिया का प्रथम चरण समाप्त हो चुका है एवं द्वितीय चरण की प्रवेश सूची जारी की जा चुकी है। द्वितीय चरण की प्रवेष सूची में सम्मिलित विद्यार्थियों को दिनांक 30.06.2025 तक प्रवेष शुल्क जमा करना अनिवार्य है।

उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत सी.एल.सी प्रथम चरण की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जिन विद्यार्थियों ने अभी तक प्रवेश हेतु पंजीयन नही किराया है ऐसे विद्यार्थी 30.06.2025 तक ऑन लाईन माध्यम से पंजीयन करा सकते है। ऐसे विद्यार्थी जिनका नाम प्रथम प्रवेष सूची में आ गया था और किसी कारणवष प्रवेश शुल्क जमा नही कर पाये है ऐसे विद्यार्थी भी अपना आवंटन/पंजीयन निरस्त कर पुनः 30.06.2025 तक पंजीयन करा सकते है। मेजर एवं माईनर विषय के अतिरिक्त स्नातकोत्तर कक्षाओं में अन्य विषयों में प्रवेश पंजीयन हेतु अंतिम तिथि 30.06.2025

ऐसे विद्यार्थी जिन्हें स्नातक स्तर पर मेजर एवं माईनर विषय के अतिरिक्त किसी अन्य विषय में प्रवेश लेना है ऐसे विद्यार्थियों को भी उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा दिनांक 30.06.2025 तक पंजीयन की सुविधा प्रदान की गई है। अतः ऐसे विद्यार्थी अनिवार्य रूप से 30.06.2025 तक अपना पंजीयन करा सकते है।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यो से अपील उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा समस्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यो से अपील की गई है कि अपने विद्यालयों से उत्तीर्ण विद्यार्थियो 30.06.2025 तक अनिवार्य रूप से महाविद्यालयों में प्रवेश लेने हेतु प्रेरित करने का आग्रह किया गया है।

सत्र 2025-26 से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मण्डला में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में परम्परागत विषयों के अतिरिक्त अप्रेंटिसषिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम ;।म्क्ळद्ध के अन्तर्गत में भी प्रवेश दिया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम तीन वर्षीय एवं रोजगार मूलक पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियो को प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में महाविद्यालय में अध्ययन करना होगा तथा तृतीय वर्ष में विभाग द्वारा चयनित संस्था में व्यवहारिक प्रषिक्षण प्राप्त करना होगा। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को शासन द्वारा प्रतिमाह रू.8000.00 स्टायफण्ड प्रदान किया जायेगा। कला संकाय के अन्तर्गत टूरिज्म एवं हॉसपिटिलिटी ऑपरेशन, विज्ञान संकाय के अन्तर्गत मार्केटिंग सेल्स (फार्मा एण्ड मेडटेक) एवं वाणिज्य संकाय में रिटेल ऑपरेषन तथा बैकिंग एवं फाईनेषियल सर्विस एण्ड बीमा पाठ्यक्रमों मे प्रवेश दिया जा रहा है।

मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन

मंडला, देशबन्धु। जिला योजना भवन में मध्यप्रदेश लोकसेवा पदोन्नति नियम 2025 के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। सभी संबंधित अधिकारियों को पदोन्नति नियम 2025 की विस्तार से जानकारी दी गई एवं संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह ने कार्यशाला में उपस्थित विभागीय अधिकारी, कर्मचारियों से चर्चा करते हुए कहा कि सभी विभाग ग्रेडेशन सूची शीघ्र तैयार करें। इस सूची को तैयार करने में आरक्षण के नियमों का पालन करें। साथ ही वरिष्ठता सूची के साथ-साथ अंतिम वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन भी आवश्यक रूप से तैयार रखें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अपने विभाग के 31 दिसंबर 2025 की स्थिति में रिक्त पदों की जानकारी तैयार करें, यदि कोई अधिकारी, कर्मचारी 30 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं तो उस पद को भी रिक्त पदों की सूची में शामिल करें। उन्होंने कहा कि विभागीय पदोन्नति समिति विभाग की वरिष्ठता सूची के आधार पर पदोन्नति का निर्णय लेगी। कार्यशाला में अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, जिला कोषालय अधिकारी श्री अखिलेश नेटी सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस खाद-बीज बेचने पर 3 दुकान संचालकों पर एफआईआर दर्ज

घुघरी विकासखंड में की गई कार्यवाही

मंडला, देशबन्धु। मंडला जिले के घुघरी विकासखंड में बिना वैध लाइसेंस के खाद और बीज का भंडारण और विक्रय करने पर ग्राम सलवाह निवासी गौरी शंकर अग्निहोत्री, जितेंद्र ट्रेडर्स तथा श्रीमती सावित्रीबाई चैधरी पर एफआईआर दर्ज की गई है।

एसडीओ कृषि मधु अली ने बताया कि औचक निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाई गई थी, जिसके बाद इन व्यक्तियों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के 27 जून 2025 को मधु अली, अनुविभागीय कृषि अधिकारी मंडला और उर्वरक/बीज/कीटनाशक निरीक्षक, थाना घुघरी के संयुक्त भमण के दौरान गौरीशंकर अग्निहोत्री, जितेंद्र ट्रेडर्स तथा श्रीमती सावित्रीबाई चैधरी गल्ला व्यापारी द्वारा बिना उर्वरक और बीज लाइसेंस के उर्वरकों और बीज का अवैध भंडारण और विक्रय किया जा रहा था। उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 7 और बीज नियंत्रण आदेश 1983 की धारा 3 का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया है। थाना प्रभारी घुघरी ने आरोपी गौरीशंकर अग्निहोत्री, जितेंद्र ट्रेडर्स तथा श्रीमती सावित्रीबाई चैधरी निवासी सलवाह के विरुद्ध धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

शहर में आयोजित हुआ पहला मैंगो फेस्टिवल

मंडला, देशबन्धु। गोंडी पब्लिक ट्रस्ट के सभागार में मेंगो फेस्टिवल का आयोजन किया गया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने फेस्टिवल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि मंडला में आयोजित मेंगो फेस्टिवल एक अभिनव पहल है। मुझे विश्वास है कि इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरीटेज द्वारा आयोजित यह पहला मेंगो फेस्टिवल आने वाले वर्षों में परंपरागत रूप से आयोजित किया जाता रहेगा। आम फलों का राजा है। इस क्षेत्र में लोग आम के शौकीन हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में मेंगो फेस्टिवल का आयोजन मई के माह में कराये जाने का प्रयास करें। साथ ही इस फेस्टिवल का व्यापक प्रचार-प्रसार भी करें जिससे फल उत्पादक कृषक और फल प्रेमी इस अभिनव प्रक्रिया का हिस्सा बन सकें और यहां आकर विभिन्न फलों के किस्मों का अवलोकन करें।

कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ ने किया शुभारंभ

सीईओ जिला पंचायत ने मेंगो फेस्टिवल को एक अभिनव आयोजन बताते हुए कहा कि मंडला में इस तरह का आयोजन देखकर अच्छा लगा कि इनटेक फलों की ऐसी प्रजातियों को संरक्षित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। मेंगो फेस्टिवल में अधिकारी द्वय ने जिले के किसानों द्वारा उत्पादित आम की विभिन्न किस्मों के फलों का अवलोकन किया। फेस्टिवल के दौरान तोतापरी, अलफांसो, दशहरी, लंगड़ा, आम्रपाली, रिलायंस, नरदाल, सुंदरजा, हिमसागर, चैसा, मालदा, मल्लिका आदि प्रजातियों के आम के फलों के स्टॉल लगाए गए थे। मेंगो फेस्टिवल में प्रगतिशील फल उत्पादक कृषकों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक अरविंद अग्रवाल, अरूण अग्रवाल, श्रीमती मृदुला कालपीवार, इनटेक के स्वयंसेवी तथा उद्यानिकी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

डायरिया रोको अभियान के तहत पेयजल स्त्रोतों का किया क्लोरिनेशन

मंडला, देशबन्धु। जिला कलेक्टर मंडला सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड मंडला कार्यपालन यंत्री मनोज भास्कर के मार्गदर्शन में विकासखंड स्तर में गठित क्लोरिनेशन टीम द्वारा जिले के ग्रामों में स्थापित हैंडपंपों में जर्मेक्स, ब्लीचिंग पाउडर डालकर क्लोरिनेशन किया जा रहा है।

ब्लॉक बीजाडांडी के ग्राम बेलखेड़ी, बीरमपुर, उदयपुर, भट्टा डुंगरिया माल, चैरई, लहसर, मोहदा में ब्लॉक घुघरी के ग्राम जुनवानी, धनगांव, खजरी, ददरगांव, उमरिया, नेझर, पीपरदोन, जोगी लुधिया, ईश्वरपुर में ब्लॉक मोहगांव के ग्राम देवगांव, बिन्झी, इंद्रा माल, इंद्रा रैयत, बनियातारा, ब्लॉक बिछिया के ग्राम अंजनिया, अहमदपुर, चांगारिया ब्लॉक मंडला के ग्राम खारी, सिलपुरी, कूड़ो पानी, केहरपुर,

कन्हारी में, ब्लॉक नारायणगंज के ग्राम तिलगांव, ग्वारा, सोढर, बरबसपुर, चिरि, लालीपुर, गुजरसानी, हर्राटिकुर में एवं ब्लॉक नैनपुर के ग्राम धनौरा, कामता में क्लोरिनेशन किया गया। क्लोरिनेशन के साथ-साथ टीम द्वारा ग्रामीणों को पेयजल स्त्रोतों के आसपास साफ-सफाई करने, नियमित रूप से पानी की जांच, क्लोरिनेशन करने एवं पीने के लिए शुद्ध पानी के उपयोग की जानकारी दी गई।

बिजली गिरने से पेड़ के नीचे खड़ीं 27 बकरियों की मौत

दमोह, देशबन्धु। जिले की जबेरा तहसील अंतर्गत आकाशीय बिजली गिरने से जंगल में चरने गईं 27 बकरियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं 13 बकरियां घायल हो गई हैं। घटना गुरुवार शाम करीब चार बजे की है। बकरियों की मौत होने के बाद पशुपालक पर आर्थिक संकट भी आ गया है। जानकारी के अनुसार नयागांव निवासी खेमचंद पिता गोकल पाल बकरी पालक अपनी बकरियों को लेकर नयागांव के जंगल में रोज की तरह चराने ले गए थे। अचानक मौसम परिवर्तित हो गया और तेज बारिश होने लगी बारिश से बचने के लिए 40 बकरियां एक पेड़ के नीचे खड़ी हो गईं। तभी आकाशीय बिजली पेड़ पर गिरी जिसमें 27 बकरियों की मौत हो गई और 13 घायल हो गई। वहीं पेड़ बिजली में झुलस गया। इस हादसे में बकरी पालक बाल बाल बच गया। खेमचंद पाल ने बताया कि उसकी आजीविका का साधन बकरियां ही थीं। एक साथ इतनी सारी बकरियों की मौत हो गई जिससे परिवार का भरण-पोषण मुश्किल होगा। बकरी पालक ने अपनी जमीन बेचकर यह बकरियां खरीदी थी जो एक पल में आकाशीय बिजली गिरने से मृत हो गई।